एक नजर में

पूजा आरती कर मनाई भगवान मीनेश जयंती

कुरावर 21 मार्च, सं. भगवान विष्णु के अवतार भगवान मीनेष जयंती के मौके पर मीणा समाज के लोग श्री राम मंदिर में एकत्रित होकर महामंडलेश्वर रामकृष्ण दास त्यागी बाबा के मार्ग दर्शन में भगवान की आरती उतार कर समाज जनों ने जयंती मनाई. मीणा समाज का आगामी अक्षय तिथि पर समाज का सम्मेलन होने जा रहा है. उस विषय में भी चर्चा करते हुए दहेज प्रथा नुक्ता प्रथा ऐसी कुरीतियों को बंद करने का भी आह्वान किया. बेटियों को खूब पढ़ाओ लीखाओ ऐसी मीणा समाज के लोगों ने अपनी अपनी बात रखी. जिसमे समाज के सभी लोग उपस्थित थे.

मेला भूमि से भूमाफियों को हटाने की बैठक

खिलचीपुर 21 मार्च, सं. नगर परिषद की मेला भूमि को षड्यंत्र पूर्वक समाप्त करने के प्रयासों के विरोध में हिंदू समाज के लोगों ने शुक्रवार रात्रि को मेला मैदान में बैठक की. इस मेला भूमि जिस पर पूर्व में नगर परिषद का हर वर्ष मेला लगता था. करीब 80 बीघा भूमि को समाप्त करने एवं भूमाफिया द्वारा कब्जे करने पर गहरा आक्रोश लोगों ने व्यक्त किया. इसके विरोध में 24 मार्च मंगलवार को सुबह से दोपहर दो बजे तक नगर बंद रखने का निर्णय लिया. वही इसी दिन राजगढ़ जाकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा. बैठक में सकल समाज के लोगों ने कहा कि सभी बड़े कार्यक्रम सामूहिक विवाह सम्मेलन ओर संतो के प्रवचनों के कार्यक्रम होते है यह जगह नगर परिषद की है. अगर यह समाप्त हो गई तो बड़े कार्यक्रम करने के लिए नगर में अन्य कोई स्थान नहीं है. लोगों ने निर्णय लिया कि प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने और उचित कदम उठाने की मांग को लेकर नगर बंद कर जिला कलेक्टर को नगर वासी राजगढ़ जाकर ज्ञापन सौंपेगे.

नगर में हर्षोल्लास से मनाया ईद का त्योहार

नरसिंहगढ़ 21 मार्च, सं. नगर में ईद का त्यौहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया. स्थानीय अस्पताल रोड स्थित ईदगाह पर सामूहिक नमाज अता कर अमन शांति की दुआ की गई. बड़ी संख्या में लोगों ने सामूहिक नमाज अता की. नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी. अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी. इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही. प्रशासन और पुलिस बल मौके पर तैनात रहे. ईदगाह परिसर में बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला. जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी और भाईचारे का संदेश दिया.

मौसम में एकाएक बदलाव 3 डिग्री लुढ़का तापमान

ब्यावरा 21 मार्च, का. तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के बाद मौसम में एकाएक बदलाव होने से न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है. 15 डिग्री पर रहने वाला तापमान 12 पर जा पहुंचा है. 19 मार्च को न्यूनतम तापमान 15.4 तथा 20 मार्च को 15.5 था जो कि 21 मार्च को लुढकते हुए 12 डिग्री पर जा पहुंचा. तापमान में गिरावट के साथ ही मौसम में ठंडक का अहसास होने लगा. मार्च माह के दूसरे पखवाड़े में गर्मी के तीखे तेवर रहते है किंतु एकाएक बदले मौसम से तापमान में गिरावट आ गई.

शहर का चेहरा बिगाड़ रहे टूटे-फूटे चेम्बर

वाहन चालकों, राहगीरों के लिए मुसीबत बने टूटेफूटे चेम्बर, इंदौर नाका, बस स्टैण्ड परिसर, शहीद कॉलोनी में बने परेशानी

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 मार्च, का. किसी भी नगर अथवा शहर का चेहरा वहां से साफ, पक्की और सुगम सड़कें, बस स्टेण्ड, प्रतीक्षालय होते है. इनमें शहर के विकसित और व्यवस्थित होने का आंकलन सर्वाधिक सड़कों से ही किया जाता है. सड़कें पक्की हो, उनमें डिवाईडर और साईडें बनीं हो साथ ही चेम्बर व्यवस्थित हों. लेकिन ब्यावरा शहर में चेम्बर ही शहर की व्यवस्था का चेहरा बिगाड़ रहे है. एक नहीं बल्कि दर्जन भर से अधिक जगह चेम्बर टूटे-फूटे पड़े है. इसके कारण दुर्घटनाएं, बाईक सवारों का चोटिल होना, मवेशियों का घायल होना जैसी घटनाएं आए दिन हो रही है.

नागरिक इसके लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी कर रहे है. लेकिन स्थानीय व्यवस्थापकों को इससे लेनादेना नहीं है. चेम्बर यथावत टूटे है. नालियों की सफाई के नाम पर उन्हें ओपन छोड़ दिया जाता है. इसके बाद उनमें कचरा और ज्यादा भर जाता है. इसके बाद की स्थिति को समझा जा सकता है.

दर्जन भर से अधिक जगह चेम्बर टूटे-फूटे पड़े है. इसके कारण दुर्घटनाएं, बाईक सवारों का चोटिल होना, मवेशियों का घायल होना जैसी घटनाएं आए दिन हो रही है.

बस स्टेण्ड पर परेशानी बने ओपन चेम्बर

स्थानीय बस स्टेण्ड परिसर में प्रवेश करते समय एक चेम्बर है वह भी काफी जोखिम भरा है. इससे ठोकर लगने का डर रहता है. चेम्बर के बस स्टेण्ड परिसर में होने से हर समय यहां बड़ी संख्या में यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है. चेम्बर के यहां से ही बसों एवं ऑटो व अन्य वाहनों की आवाजाही रहती है. ऐसे में अव्यवस्थित चेम्बर के कारण दुर्घटना का डर बना रहता है.

नगर में कई मुख्य मार्गो एवं सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद चेम्बर बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर वाहन चालकों, राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बने हुए है. इनसे हर समय जोखिम बना होकर आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है. गौरतलब है कि आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर चेम्बर काफी टूटफूट चुके है, चद्दर उखड़कर ऊपर की और आने से राहगीरों को ठोकरे लग रही है. आये दिन दुपहिया वाहन दुर्घटना दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है. इंदौर नाका से पुराना तहसील परिसर जाने वाले मार्ग पर मौजूद चेम्बर काफी खतरनाक अवस्था में है जो कि क्षतिग्रस्त होकर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है. इसी प्रकार पुराना बस स्टेण्ड से शहीद कॉलोनी जाने वाले रास्ते, सुदामा नगर, राजगढ़ रोड से विवेक टॉकीज जाने वाले रास्ते पर अव्यवस्थित चेम्बर है जो कि दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे है.

बुजुर्ग की ट्रेन से कटकर मौत

सारंगपुर 21 मार्च, सं. ग्राम मऊ में शुक्रवार रात करीब 9 बजे एक 62 वर्षीय बुजुर्ग ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली. मृतक की पहचान करोंदी गांव निवासी मानसिंह पिता भंवरजी के रूप में हुई है. घटना की सूचना पर पड़ाना चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की. पुलिस के अनुसार, मानसिंह ने आत्महत्या करने से कुछ समय पहले पड़ाना चौकी पहुंचकर परिजनों से परेशान होने की शिकायत दर्ज कराई थी. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह परिवार में रोजाना होने वाले विवादों और झगड़ों से काफी परेशान था. ग्रामीणों ने बताया कि मृतक मानसिंह पिता भंवरलाल भिलाला (हीरापुर) करौंदी निवासी था और कृषि का कार्य करता था. वह अपने परिवार से अलग रहता था और शुक्रवार दोपहर 12 बजे से घर से लापता था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम रात में मौके पर पहुंच कर शव बरामद कर शनिवार सबह सारंगपुर सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया. पड़ाना चौकी प्रभारी एसआई भंवरसिंह भूरिया ने बताया कि मामले में परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं.

शेड से चद्दरें, फर्श से निकल रहे सरिए

कृषि मंडी में जोखिम भरे हालात, परेशानी के साथ बना रहता खतरा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 मार्च, का. स्थानीय कृषि उपज मंडी में स्थित शेड की चद्दरे क्षतिग्रस्त होकर नीचे की और लटक रही है, फर्श से सरिए निकल रहे है. इन हालातों के चलते नीलामी के दौरान एवं मंडी में आने-जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है.

गौरतलब है कि कृषि उपज मंडी में 8 से 10 शेड है जहां पर फसल की नीलामी की जाती है, किंतु अधिकांश शेड काफी जर्जर अवस्था में है, शेड से लोहे की चद्दरे टूटकर लटक रही है तो फर्श उखड़ने से सरिए बाहर निकल आये है. नीलामी के समय काफी परेशानी के साथ दुर्घटना का डर बना रहता है.

टीनशेड, कवर्डशेड की मरम्मत होगी - मंडी प्रबंधन के अनुसार ब्यावरा स्थित कृषि मंडी में सीसीकरण के लिए टेंडर होने की बात कही गई है. परिसर में मौजूद टीनशेड एवं कवर्ड शेड की मरम्मत की जाकर इनकी हाईट बढ़ाई जाएगी ताकि नीलामी कार्य में सुविधा हो सके. साथ ही अन्य कार्य भी किए जाएंगे. करीब 80 लाख रुपये की लागत से होने वाले कार्यो को मंडी कमेटी द्वारा मंजूरी देना बताया गया है. आगामी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद इन कार्यो के लिए भी टेंडर जारी कर दिए जाएंगे. करीब डेढ़ करोड़ की लागत से मंडी परिसर में सीसीकरण किया जाना है, इसके टेंडर भी होने की जानकारी है.

वाहनों के पहिए से उड़ती धूल

ब्यावरा स्थित कृषि मंडी में फर्श बुरी तरह उखड़ने से वाहनों के पहिए से उड़ती धूल के गुब्बार देखे जा सकते है, धूल के कारण मंडी में आने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. काफी समय से इस तरह की परेशानी बनी हुई है.

जगन्नाथ मंदिर से प्रतिमाएं ले जाने पर संत ने त्यागा अन्न

हालिया घटनाओं ने अंदर तक झकझोर दिया

नवभारत न्यूज

खिलचीपुर 21 मार्च, सं. नगर में स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान की प्रतिमाएं पुजारी के द्वारा दबंगों से परेशान होकर अपने साथ ले जाने के मामले ने अब भावनात्मक मोड़ ले लिया है. मंदिर परिसर में रहने वाले 75 वर्षीय संत बालयोगी सोहनदास महाराज इस घटना से इतने आहत हैं कि उन्होंने अन्न त्याग दिया है. बताया जा रहा है कि वे पिछले करीब 18 घंटे से भूखे हैं और प्रतिमाएं वापस आने तक भोजन नहीं करने का संकल्प ले लिया है.

संत सोहनदास महाराज ने भावुक होकर कहा कि भगवान के मंदिर से चले जाने का दु:ख असहनीय है. उन्होंने कहा, भगवान चले गए, अब भोजन कैसे करूं, मन बहुत दुखी है. उनके इस निर्णय से क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच गहरा भावनात्मक माहौल बन गया है.

संत ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि पुजारी प्रतिमाएं क्यों लेकर गए. लेकिन मंदिर में हुई हालिया घटनाओं ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया है. उन्होंने आरोप लगाया कि भंवरलाल नाम के एक व्यक्ति ने मंदिर में आकर शराब के नशे में पुजारी के साथ अभद्रता की और मारपीट भी की. संत के अनुसार, इस तरह की घटनाएं मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली हैं.

करीब 55 वर्षों से साधना और सेवा में लगे संत सोहनदास महाराज उदासीन सम्प्रदाय से जुड़े हैं. उन्होंने 20 वर्ष की उम्र में ही गृहस्थ जीवन त्याग दिया था. लगभग 45 वर्ष पूर्व उन्होंने श्रीराम पेट्रोल पंप के पास अपना आश्रम स्थापित किया, जहां वे लगातार धार्मिक गतिविधियों का संचालन करते आ रहे हैं.

इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस भी सक्रिय हो गई है. शनिवार सुबह थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती पुलिस टीम और नगर के कुछ लोगों के साथ वृंदावन के लिए रवाना हुए हैं. टीम का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की प्रतिमाओं को वापस लाना और पुजारी से चर्चा करना है.

स्थानीय लोगों ने संत के इस कदम पर चिंता जताते हुए जल्द से जल्द प्रतिमाओं की वापसी की मांग की है. ताकि मंदिर में फिर से पूजा-अर्चना शुरू हो सके और संत भी अपना अन्न ग्रहण कर सकें.

खड़े ट्रक में लगी आग, डायल 112 की सक्रियता से हादसा टला

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 21 मार्च, सं. हाईवे पर पेट्रोलिंग करने वाली डायल 112 की सजगता से बड़ा हादसा टल गया. ट्रक में आग लगने के बाद पेट्रोलिंग 112 वाहन के कर्मचारियों ने थाने में सूचना दी. इसके बाद वाहन को एक तरफ लगाया गया और फायर बिग्रेड की सहायता से आग बढ़ने से रोका गया. घटना 21 मार्च को प्रात: लगभग 06 बजे की है. डायल 112 वाहन अपने नोडल प्वाइंट काकाजी होटल के पास, सर्विस रोड हाईवे सारंगपुर पर खड़ा था. इसी दौरान डायल 112 में तैनात प्रधान आरक्षक राकेश गुदेन ने एक 12 चक्का पेट्रोल टैंकर के टायर में आग लगी हुई देखी. प्रधान आरक्षक द्वारा तत्काल सतर्कता दिखाते हुए थाना प्रभारी सारंगपुर निरीक्षक आकांक्षा हाड़ा को दूरभाष पर सूचना दी गई तथा टैंकर चालक को संकेत देकर वाहन को सुरक्षित रूप से हाईवे किनारे सर्विस रोड पर खड़ा कराया गया. सूचना प्राप्त होते ही अनुविभागीय अधिकारी अरविंद सिंह एवं थाना प्रभारी निरीक्षक आकांक्षा हाड़ा पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे. साथ ही नगर पालिका सारंगपुर के फायर ब्रिगेड अमले को भी तत्काल बुलाया गया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हाईवे के दोनों ओर यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया तथा पुलिस एवं फायर ब्रिगेड की संयुक्त कार्यवाही से शीघ्र ही आग पर काबू पा लिया गया. इस त्वरित एवं समन्वित कार्यवाही से एक बड़ा हादसा टल गया तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. इस दौरान आकांक्षा हाड़ा थाना प्रभारी सारंगपुर, उप निरीक्षक गोटीसिंह परस्ते, राकेश गुदेन, बनवारी गुर्जर, नरेन्द्र धाकड़, धर्मेन्द्र जायसवाल मौजूद रहे.

गायत्री मंदिर में हुई शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा

नवभारत न्यूज

जीरापुर 21 मार्च, सं. नगर के आवास कालोनी गायत्री शक्तिपीठ परिसर में स्थित शिवालय में नंदेश्वर भगवान एवं पार्वती मैया की मूर्ति की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन सम्पन्न हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि विधायक हजारीलाल दांगी, डॉ आरबी गुप्ता प्रोफेसर, सूरजमल भावसार, रामनिवास मीणा, मुख्य ट्रस्टी देवनारायण दांगी, महिला मंडल गायत्री शक्तिपीठ ट्रस्टी ज्योत्सना दांगी, सुमित्रा गुप्ता, शोभा गुप्ता, मंजू गुप्ता, सूरजबाई गुप्ता, बिंदु सोनगिरा आदि की उपस्थित में प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चारण से की गई. विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि महोत्सव का आयोजन नियमित रूप से समया अनुसार चल रहा है जिसमें प्रथम दिवस गणगौर पर्व पर यज्ञ पूजन एवं हवन कार्य किया गया. नो दिवसीय नवरात्रा के प्रतिदिन के विभिन्न धार्मिक आयोजन चल रहे. इस पुनीत कार्य में गायत्री परिवार सदस्य सहित धार्मिक श्रद्धालु भक्त महिला पुरुष युवा वर्ग

गणगौर पर्व पर नगर में निकाली शोभायात्रा

नवभारत न्यूज

नरसिंहगढ़ 21 मार्च, सं.नगर में गणगौर पर्व उत्सव की धूम रही. परंपरानुसार, गीत गाकर अखंड सौभाग्य और परिवार की समृद्धि की कामना की गई.

इस विशेष 16 दिनों के सुहाग पर्व गणगौर की धूम रही. महिलाओं ने माता पार्वती (गौरा) और शिवजी (ईसर) की मिट्टी की मूर्तियों की पूजा-अर्चना की. दिव्या नारी शक्ति महिला मण्डल प्रमुख व प्रदेश अध्यक्ष संतोष भूपेंद्र त्रिवेदी ने गणगौर उत्सव के बारे बताते हुए कहा कि इस पर्व का विशेष इंतजार रहता है. नरसिंहगढ़ के नेहरू पार्क में पूजन कर महिलाओं ने दोहे बोले. गणगौर के साथ नगर के विभिन्न स्थानों से शोभायात्रा निकाली गई. मां गणगौर ईशर की आरती की. अखंड सौभाग्य और परिवार की समृद्धि की कामना की गई. गणगौर

होली के बाद चैत्र माह में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक उत्सव है, जिसमें महिलाएं 16 दिनों तक पूजा करती है. यह त्योहार महिलाओं के लिए सुहाग और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है.

गणगौर ▶ **मेडतवाल समाज की महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर गणगौर की पूजा अर्चना की**

महिलाओं ने अपने सुहाग की दीर्घायु व रक्षा करने करी पूजा

नवभारत न्यूज

छापीहेड़ा 21 मार्च, सं. शनिवार को मेडतवाल समाज की महिलाओं द्वारा गणगौर पर्व हर्षोल्लास से मनाया. सुहागिनों ने पूजा अर्चना करने के साथ महिलाओं ने लांगुरिया और ईसर पार्वती के भजन गाए. सुहागिन महिलाओं ने पूजा अर्चना कर सुहाग की दीर्घायु व रक्षा की कामना की.

गणगौर माता की सुंदर प्रतिमाएं स्थापित कर महिलाएं सोलह श्रृंगार व रंग बिरंगे परिधान के साथ नृत्यों के माध्यम से उत्साह को जीवंत बना दिया. मेडतवाल समाज की अध्यक्ष गीता गुप्ता ने बताया की यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के साथ आपसी प्रेम एकता और उल्हास का प्रतीक है. कार्यक्रम में आशा टांक, अलका टांक, मीना सिंघी व स्नेहलता टांक के सहयोग से कार्यक्रम को और उल्लासित बनाया गया. मेडतवाल समाज की सभी मातृशक्ति ने धूमधाम से आयोजन में भाग लिया.

मंदिरों में महिलाओं ने की गणगौर की पूजा

जीरापुर 21 मार्च, सं. गणगौर पर्व महिलाओं द्वारा बड़े उत्साह उल्लास से मनाया गया. तत्पश्चात अनेकों महिलाओं ने अपने घरों में तथा कई महिलाओं ने सामुहिक रूप से नगर के मंदिरों में गणगौर की पूजा अर्चना की.

महिलाओं ने बताया कि गणगौर पर्व एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है. जो भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट प्रेम और मिलन का प्रतीक है. जहां महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं और पूजा करती हैं.

इस पर्व की शुरुआत होली पर्व के बाद होती है जो कि लगभग 16 दिनों तक चलता है. इस दौरान महिलाएं माता गौरी और भगवान शिव की मूर्तियों को सजाती हैं. ओर अपने पति की लम्बी उम्र के लिए व्रत रखती हैं. ईसर पार्वती की पूजा कर गोर गोर गोमती ईश्वर पुजे पार्वती गाती है.

इस मौके पर श्रीमती निर्मला भण्ड़ारी, श्रीमती कुसुम जमींदार, श्रीमती इंदिरा गुप्ता, श्रीमती मनीषा सोनी, मंजू गुप्ता ने बताया कि महिलाओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक, परिवार और समाज में प्रेम, सम्मान और सौहार्द का पर्व है.